



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बीरबार, 23 जून, 1979/2 आषाढ़, 1901

हिमाचल प्रदेश सरकार

LABOUR DEPARTMENT

NOTIFICATION

Simla-171002, the 16th April, 1979

No. 7-9/75-LEP-Shram.—In exercise of the powers vested in him under section 38 of the Industrial Disputes Act, 1947 (Central Act No. 14 of 1947), the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following amendments in the Industrial Disputes (Himachal Pradesh) Rules, 1974 after the previous publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh dated the 24th July, 1976:

1. *Amendment of Rule 4.*—For the sign “.” occurring after clause (b) of Rule 4 of the Industrial Disputes Himachal Pradesh Rules, 1974 (herein after called the “said rules”) the sign “;” shall be substituted and thereafter the following shall be inserted namely:—

“(C) in the case of individual workman, by the workman himself or by any officer of the trade union of which he is a member or by another workman in the same establishment duly authorised by him in this behalf:

Provided that such workman is not a member of a different trade union.”

2. Amendment of Rule 7.—In rule 7 of the said rules for the words “the conciliation officer or” shall be substituted with words “the Conciliation Officer of.”.

3. Amendment of Rule 8.—For sign “.” occurring after clause (b) of Rule 8, of the said rules the sign “;” shall be inserted and thereafter the following clause (c) shall be inserted, namely:—

“in the case of an individual workman, by the workman himself, or by any officer of the trade union of which he is a member, or by another workman in the same establishment duly authorised by him in this behalf:

Provided that such workman is not a member of a different trade union”.

4. Amendment of Rule 12.—In rule 12 of the said rules in between the words “workman” and “in volved” the words “or in the case of individual workman the workman himself” shall be inserted.

5. Amendment of Rule 13.—In rule 13 of the said rules, the following amendments shall be made, namely:—

(i) in sub-rule (1) before the words “and the employer” and after the word “workman”, the words, “or in the case of individual workman the workman himself” shall be inserted;

(ii) for the existing proviso to sub-rule (1) the following shall be substituted:—

“Provided that where the Labour Court or Tribunal, as the case may be, considers it necessary, it may,—

(a) extend the time limit for filing of such statement,

(b) where both the parties agree, reduce the time-limit for filing of such statement as per agreement, or

(c) where both the parties agree, dispense with the requirement of filing such statement altogether.”

(iii) for the existing second proviso to sub-rule (2) the following proviso shall be substituted:—

“Provided further that where the Labour Court or Tribunal as the case may be, considers it necessary, it may,—

(a) extend the time limit for filing of such rejoinder;

(b) where both the parties agree, reduce the time limit for filing of such rejoinder as per agreement; or

(c) where both the parties agree, dispense with the requirement of filing such rejoinder altogether.”

6. Amendment of Rule 27.—In rule 27 of the said rules, the words and figures “sections 480 and 482 of the Code of Criminal Procedure, 1898” the words and figures “sections 345 and 346 of the Code of Criminal Procedure, 1973” shall be substituted.

7. Amendment of Rule 29.—In rule 29 of the said rules, the words “fees for making a copy” shall be substituted with the words “fees for a copy”.

By order,
A. N. VIDYARTHI,
Secretary.

निर्वाचन विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 23 मई, 1979

संख्या 3-11/73-इलंक 0.—भारत निर्वाचन आयोग के आदेश संख्या हि 0 प्र 0-वि 0 स 0/37/77 (1), हि 0 प्र 0-वि 0 स 0/37/77 (2) तथा हि 0 प्र 0-वि 0 स 0/41/77 (3), सभी दिनांक 26 अप्रैल, 1979 संवादी 6 वैशाख, 1901 (शक), जोकि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10 (क) के अधीन आरी किये गये हैं, उन साधारण की सूचनार्थ प्रकाशित किये जाते हैं।

आदेश से,
हरि शंकर दुबे,
मुख्य निर्वाचन अधिकारी,
हिमाचल प्रदेश।

भारत निर्वाचन आयोग

“निर्वाचन सदन”,
अशोक रोड, नई दिल्ली-1,
तारीख: 26 अप्रैल, 1979

वैशाख 6, 1901 (शक)

आदेश

स 0 हि 0 प्र 0-वि 0 स 0/37/77(1).—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1977 में हुए हिमाचल प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 37-गुलेर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कुलदीप सिंह, ग्राम बन अठरियां, पो 0 आ 0 कण्डेरीड़ा, तहसील नूरपुर, ज़िला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या अधियोचित्य नहीं हैं;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री कुलदीप सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

आदेश से,
हस्ताक्षरित,
(वी 0 नागसुब्रमण्यन),
सचिव, भारत निर्वाचन आयोग।

भारत निर्वाचन आयोग

“निर्वाचन सदन”

अशोक रोड, नई दिल्ली-1.
तारीख 26 अप्रैल, 1979

वैशाख 6, 1901 (शक्)

आदेश

सं0 हि0 प्र0 वि0 स0/37/77(2).—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1977 में हिमाचल प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 37 थुरल निर्वाचन क्षेत्र से एवं लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मनी राम, ग्राम लैंब, पो0 आ० जवाही, तहसील भूरपुर, ज़िला डॉ (हिमाचल प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अक्षत अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी इस असफलता के लिये कोई अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त मनी राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् तदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये हत घोषित करता है।

आदेश से,
हस्ताक्षरित,
(श्री0 नागसुब्रमण्यन),
सचिव, भारत निर्वाचन आयोग।

भारत निर्वाचन आयोग

“निर्वाचन सदन”,
अशोक मार्ग नई दिल्ली-1.
तारीख 26 अप्रैल, 1979

वैशाख 6, 1901 (शक्)

आदेश

10 हि0 प्र0 वि0 स0/41/77(3):—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि हिमाचल में हुए विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 41-थुरल निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव वाला उम्मीदवार श्री प्यारे लाल, गांव बरोटा जगीर, डा० गगडूही, तहसील देहरा, ज़िला (हिमाचल प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों अनेकित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार के सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः श्रद्धा, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निवाचिन आयोग एतद्वारा उक्त श्री प्यारे लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरर्हित घोषित करता है।

आदेश से,
हस्ताक्षरित,
(वी० नागसुब्रमण्यन),
सचिव, भारत निवाचिन आयोग।

यन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन-सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमल-३द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित ।